62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: 641 Participant Code: 107

टूटी दिल

बेटे, तुम माँ को छोड़कर क्यों गये?
तुम्हें पता नहीं, माँ को तुझसे कितना प्यार हैं?
कुछ भी करूँ, होता हैं तुम्हारा याद।
क्या तुम मुझसे मिलोगे मेरी ज़िंदगी के बाद?

मुझे जब तुम पैदा हुए थे
तब तुम ज़ोर से रोये थे।
तुम चुप हो गये जब मैंने
कहा "रोना मत मेरे लाड़ले"।

मुझे अब भी याद हैं
जब तुम पहले कदम रखे थे।
वह तब था जब मैंने तुम्हे
बुलाया "आ जा मेरे प्यारे"।

तुम्हारा पहला शब्द 'माँ' था।
वह मेरी कान में गुनगुनाया था।
अब भी मैं वह सुन पा रही हूँ रे,
वह फिर से सुनाने केलिए आ जा मेरे प्यारे।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

जब पाठशाला से मिली हुई
पुरस्कार ले आते थे,
तब तोहफे की जगह मुझे गले लगाना चाहते थे
और मेरी प्रशंसा चाहते थे।
तुम हर रोज़ कहते थे कि "आप से
पहले मैं मृत्यू पाऊँगा" और मैं कहती थी
कि "तुमसे पहले मैं मृत्यू पाऊँगी"।
मुझे दिख रहा हैं, इसमें तुम जीत गये।
देशों के बीच युद्ध नहीं होता
तो तुम मेरे पास ही होते।
हे भगवान, यह दुनिया शान्ती
और समाधान से नहीं रह सकती?
याद तुम्हारा आता हैं जब
मैं साँस भरती हूँ।
तुम्हारे बिना सिर्फ एक
टूटी दिल बनी हूँ।

तुम्हारे बारे में सोचू तो
आँखों से अग्नी की ज्वाल्ला आये।
लगता हैं मेरी आत्मा
यह दुनिया छोड़ ही जाये।
मैं तुम्हें खाना खिलाना चाहती हूँ
मेरी हातों से।
हमेशा की तरह "अमृत जैसा हैं" सुनना
चाहती हूँ मेरी कानों से।
मेरी टूटी दिल कोई जोड़ नहीं सकता।
वह वैसे ही रह जाए।
मेरी दिल को सिर्फ तुम्ही जोड़ सकते हो
अब वह हो ही नहीं सकता।
मैं तुम्हें देखना चाहती हूँ
आ जा मेरे प्यार।
पता हैं तुम नहीं आओगे
तो मैं ही आती हूँ मेरे प्यार।